| PERIODIC ASSIGNMENT -1 2020-21 | |
|---|---|
| **Grade -** VIII | **Subject- HINDI** |
| **Syllabus** – CH-1,2,3,4(Vasanth), CH-1,2 Bharat ki khoj | |

## अपठित गदयांश

1- खेल हमारे शरीर की सुगठित बनाते हैं था हमारी कार्य-क्षमता को बढ़ाते हैं। जीवनभर अगर युवक बने रहना है
तो खेलों से अच्छा कोई साधन नहीं है। खेलकूद हमारे अंदर मिलकर काम करने की भावना का विकास करते हैं।
किसी टीम की विजय में उसके सभी खिलाड़ियों का योगदान होता है। इससे सामूहिकता के साथ काम करने की आदत
विकसित होती है। इस प्रकार खेल-कूद हमारे अंदर संगठन और सहयोग, परस्पर विश्वास, अनुशासन और
आज्ञाकारिता, साहस, सहनशीलता, आदि अच्छे गुणों का विकास करते हैं। हारने वाला खिलाड़ी मुस्कराकर विजयी
खिलाड़ी को बधाई देता है और आगे से अच्छे-से अच्छा खेलने का संकल्प करता है। खेल हमें विपरीत परिस्थितियों के
आगे न झुकने की प्रेरणा देते हैं।

प्रश्न:

1. खेल हमारे शरीर पर क्या प्रभाव डालते हैं?
2. खेलकूद हमारे अंदर कैसी भावना का विकास करते हैं?
3. खेलकूद हमारे अंदर किन श्रेष्ठ गुणों का विकास करते हैं?
4. खेल विपरीत परिस्थितियों में क्या प्रेरणा देते हैं?
5. खेल में हरने वाला खिलाड़ी क्या करता है?
6. (i) गद्यांश में से एक जातिवाचक संज्ञा छाँटकर लिखिए।

(ii) गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?

## प्रश्नो के उत्तर

प्रश्न- कविता ;ध्वनि के कवि कौन हैं?

उत्तर - कविता ;ध्वनि के कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हैं।

प्रश्न-  वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है?

उत्तर -  इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है, मौसम सुहावना हो जाता है, पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं, आम के पेड़ बौरों से लद जाते हैं और खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं । अतः राग रंग

और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है और इसलिए इसे ऋतुराज कहा गया है।

प्रश्न- कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?

उत्तर-  कवि को ऐसा विश्वास इसलिए है क्योंकि उसके मन में नया जोश व उमंग है। वह आशावादी है।  अभी उसे कई कार्य करने हैं। वह युवा पीढ़ी को आलस्य की दशा से उबारना चाहता है और उन्हें उनके लक्ष्य की ओर प्रेरित करना चाहता है। वह अपने रचनात्मक कार्यों की खुशबू चारों ओर बिखेरना

प्रश्न- इस कहानी के लेखक कौन हैं?

उत्तर -इस कहानी के लेखक कामतानाथ जी हैं।

प्रश्न- रज्जो कौन थी?

उत्तर -रज्जो बदलू की बेटी थी।

प्रश्न-  लेखक ने पाठ में अपना क्या नाम बताया है?

उत्तर - लेखक ने पाठ में अपना नाम जनार्दन बताया है।

प्रश्न-  बदलू को संसार में किस चीज़ से चीढ़ थी?

उत्तर - बदलू को संसार में सबसे ज़्यादा काँच की चूड़ियों से चीढ़ थी।

प्रश्न- बदलू का स्वभाव कैसा था?

उत्तर-बदलू का स्वभाव बहुत सीधा था

प्रश्न-  बदलू अपना कार्य किस चीज़ पर बैठ कर करता था?

उत्तर- बदलू अपना कार्य एक मचिये पर बैठ कर करता था जो की बहुत पुरानी थी।

प्रश्न-  गाँव में लेखक का दोपहर का समय अधिकतर कहाँ बीतता?

उत्तर -गाँव में लेखक का दोपहर का समय अधिकतर बदलू के पास बीतता।

प्रश्न-  बदलू लेखक को क्या कह कर बुलाता था?

उत्तर - बदलू लेखक को लला कह कर बुलाता था।

प्रश्न-  बदलू कौन था?

उत्तर- बदलू एक मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनता था।

प्रश्न-   बदलू लेखक से क्या बातें किया करता था?

उत्तर- बदलू लेखक के पढ़ाई के बारे में, कभी लेखक के घर के बारे में और कभी यों ही शहर के जीवन के

बारे में पूछता था।

प्रश्न- रज्जो ने कौन सी लाख की चूड़ियाँ पहन रखी थी?

उत्तर- रज्जो ने जो लाख की चूड़ियाँ पहन रखी थी वह बदलू ने जमींदार साहब की बेटी के विवाह पर बनाया था।

प्रश्न- बदलू ने जमींदार साहब को चूड़ियाँ क्यों नहीं दी थी?

उत्तर - बदलू ने जमींदार साहब को चूड़ियाँ इसलिए नहीं दी क्योंकि वह उसे सिर्फ़ दस आने पैसे दे रहे थे जो उसे बहुत कम लगी।

प्रश्न- बदलू को गाय क्यों बेचनी पड़ी थी?

उत्तर - व्यवसाय बंद होने के कारण बदलू की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। गाय को पालना उसके लिए मुश्किल हो रहा था इसलिए उसे गाय बेचनी पड़ी थी।

प्रश्न- बदलू लेखक की किस प्रकार ख़ातिर किया करता था?

उत्तर - जिन दिनों बदलू की गाय के दूध होता वह सदा लेखक के लिए मलाई बचाकर कर रखता और आम की फसल में वह लेखक को आम खिलता था।

प्रश्न- बदलू चूड़ियों को किस प्रकार बेचता था?

उत्तर - बदलू कभी भी चूड़ियों को पैसों से नहीं बेचता था। उसका अभी तक वस्तु - विनिमय का तरीका था और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे।

प्रश्न- लेखक को क्या देखकर लगा कि बस इसमें गोता लगाएगी?

उत्तर-झील

प्रश्न- लेखक ने बस को कैसी अवस्था में बताया?

उत्तर- वृद्धावस्था

प्रश्न- लेखक और उसके मित्र कुल कितने सदस्य थे, जिन्हें बस की यात्रा करनी थी?

उत्तर- पाँच

प्रश्न- पाठ बस की यात्रा; के लेखक कौन हैं?

उत्तर- पाठ बस की यात्रा; के लेखक हरिशंकर परसाई जी हैं।

प्रश्न- शब्दों के अर्थ बताइए - रंक , निमित्त

उत्तर - रंक - गरीब, निमित्त - कारण, साधन, लक्ष्य

प्रश्न- पहली बार बस किस कारण रुकी?

उत्तर- पेट्रोल की टंकी में छेद होने के कारण पहली बार बस रुकी।

प्रश्न- कंपनी के हिस्सेदार ने बस के लिए क्या कहा?

उत्तर - कंपनी के हिस्सेदार ने बस के लिए कहा - बस तो फर्स्ट क्लास है जी|

प्रश्न- लेखक के अनुसार देवता बाँहें पसारकर किसका स्वागत करते?

उत्तर- लेखक के अनुसार देवता बाँहें पसारकर कंपनी के हिस्सेदार का स्वागत करते।

प्रश्न- लोगों ने बस को ;डाकिन; क्यों कहा?

उत्तर- लोगों ने बस को डाकिन; कहा क्योंकि इस बस से यात्रा करने वाले लोगों का सुख-चैन लुट जाता है।

प्रश्न- इंजन स्टार्ट होने पर क्या हुआ?

उत्तर-इंजन स्टार्ट होने पर लेखक को लगा जैसे सारी बस ही इंजन है और वह इंजन के अंदर बैठा है।

प्रश्न- लेखक और उसके दोस्त खिड़की से दूर सरककर क्यों बैठ गए?

उत्तर- लेखक और उसके दोस्त खिड़की से दूर सरककर इसलिए बैठ गए ताकि खिड़की के काँच टूटकर उन्हें चोटिल न कर दें।

पाँचों मित्रों ने शाम वाली बस से जाने का निश्चय क्यों किया?

उत्तर- पाँचों मित्रों ने शाम वाली बस से जाने का निश्चय इसलिए किया ताकि लेखक और उसके मित्र जबलपुर की ट्रैन पकड़कर सुबह अपने गंतव्य तक पहुँच सके।

प्रश्न- आगे - पीछे से किसी गाड़ी को आता देख बस एकदम किनारे क्यों खड़ी हो जाती थी?

उत्तर- बस पुरानी और खटारा थी, उसकी हेडलाइटों की रोशनी भी कम थी। इसलिए वह आगे-पीछे से किसी गाड़ी को आता देख बस एकदम किनारे खड़ी हो जाती थी।

प्रश्न- लेखक की चिंता क्यों जाती रही?

प्रश्न- ;हर हिस्सा असहयोग कर रहा था; इस पंक्ति में क्या व्यंग्य निहितार्थ है?

प्रश्न- “गज़ब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।” लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?

प्रश्न-“मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा।”
लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

;दीवानों की हस्ती कविता के रचयिता कौन है?

उत्तर-;दीवानों की हस्ती कविता के रचयिता भगवतीचरण वर्मा हैं।

प्रश्न- कवि सुख और दुःख को किस भाव से ग्रहण करता है?

**उ एक समान भाव से।**

**व्याकरण**

# भाषा

**क भाषा से आप क्या समझते है?**

ख लिपि किसे कहते हैं?

ग बोली किसे कहते है?

घ व्याकरण किसे कहते है?

**प्रः3 नीचे लिखे रेखाकिंत शब्दों के भेदों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-**

1 दूध म कुछ गिरा है।

(क)व्यक्तिवाचक सज्ञां (ख)जातिवाचक संज्ञा (ग)भाववाचक संज्ञा (घ)द्रव्यवाचक संज्ञा

2 चाबियों का गुच्छा कहा है?

(क)समूहवाचक सज्ञां (ख)जातिवाचक संज्ञा (ग)भाववाचक संज्ञा (घ)द्रव्यवाचक संज्ञा

3 मंशुी प्रेमचंद की कहानियाँ सबको अच्छी लगती है?

(क)व्यक्तिवाचक सज्ञां (ख)जातिवाचक संज्ञा (ग)भाववाचक संज्ञा (घ)द्रव्यवाचक संज्ञा

4 सब्ज़ियाँ और फल सेहत के लिए अच्छे होते हैं।

(क)समूहवाचक सज्ञां (ख)जातिवाचक संज्ञा (ग)भाववाचक संज्ञा (घ)द्रव्यवाचक संज्ञा

5 आज बहुत ठंड है।

(क)व्यक्तिवाचक सज्ञां (ख)जातिवाचक संज्ञा (ग)भाववाचक संज्ञा (घ)द्रव्यवाचक संज्ञा

**प्रः4 कोष्ठक में दिए सर्वनाम के भेदों के अनुरूप रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

1 बाहर कोई ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहा है। (अनिश्चयवाचक)

2 तुम्हारी पुस्तक यह है? (निश्वयवाचक)

3 जिसने श्रेष्ठ प्रर्दशन किया है,उसे ही पुरस्कार मिलेगा। (संबंधवाचक)

4 तुम सुबह से कहाँ थे? (प्रश्नवाचक)

5 व्यक्ति को अपना काम स्वयं करना चाहिए।(निजवाचक)